श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति
गुरुवरों के विचारों/कार्यों को समर्पित

यतीन्द्र वाणी

हिन्दी पाक्षिक

संस्थापक- प. पू. तपस्वी योगिराज, संयमवयः स्थविर श्री शान्तिविजयजी म. सा.
प्रेरक- माण्डवपुर तीर्थप्रेरक, प्रवचनकार प. पू. आचार्यप्रवर श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.

सम्पादक- पंकज बी. बालड़ स. सम्पादक- कुलदीप डाँगी 'प्रियदर्शी'

* वर्ष : 24 * अंक : 13 * मोटेरा, अहमदाबाद * दिनांक 1 अक्टूबर 2018 * पृष्ठ : 4 * मूल्य 5/- रुपये

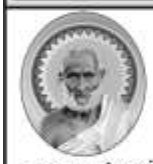

माण्डवपुर तीर्थोद्धारक की पावन निश्रा में गुरु मन्दिर एवं समाधि मन्दिर का भूमि पूजन

उदयपुर, (स. सं),

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर माण्डवपुर तीर्थोद्धारक संघ एकता के प्रबल पक्षधर, आचार्यदेव श्रीमद्विजय

आचार्यदेवश्री के सान्निध्य में विधि-विधान

जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. एवं विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणा-श्रीजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में चातुर्मास में अनेक धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। श्री महावीर जैन श्वेताम्बर जैन पेढ़ी (ट्रस्ट) एवं श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (पेढ़ी) के तत्वावधान में सभी कार्यक्रम भव्य रूप से गुरुभक्तों की विशाल उपस्थिति में हर्षोल्लास एवं उमंगोत्साह के साथ सम्पन्न हुए।

भूमिपूजन स्थल पर वासक्षेप करते आचार्यश्री एवं साध्वीजी

बाजे-गाजे से भूमिपूजन को प्रस्थान

छत्रियावोरा परिवार गुरु मन्दिर का भूमि पूजन करते

दिनांक 22-9-2018 को तीर्थ परिसर में दोपहर 12.05 बजे विजय मुहूर्त में गच्छाधिपतिश्री नित्यसेन-सूरिजी म. सा. के आशीर्वाद से आचार्यदेवेशश्री जयरत्नसूरिजी म. सा. आदि ठाणा की निश्रा में प्रातःस्मरणीय विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. के गुरु मन्दिर तथा पुण्य-सम्राट गुरुदेव श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के समाधि मन्दिर का भूमिपूजन देश भर से पधारे गुरुभक्तों की उपस्थिति में लाभार्थी परिवारों द्वारा विधिवत् हर्षोल्लास के साथ किया गया।

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म. सा. के निर्देशन में विधि विधान के साथ श्री राजेन्द्रसूरि गुरु मन्दिर के भूमिपूजन का लाभ परम गुरुभक्त सुराणा (राज.) निवासी रा. भँवरलालजी मेघराजजी छत्रियावोरा (मिलियन ग्रुप) ने लिया।

बालगोता परिवार समाधि मन्दिर का भूमि पूजन करते

पुण्य-सम्राट समाधि मन्दिर के भूमिपूजन का लाभ परम गुरुभक्त परिवार मेंगलवा (राज.) निवासी श्रीमती देवुदेवी सुखराजजी बालगोता, सुखसागर चेरिटेबल ट्रस्ट, दिल्ली-चैन्नई-मेंगलवा ने लिया।

इस अवसर पर ट्रस्टीगणों के साथ श्री डाड़मचन्द छत्रियावोरा, मह शेषमलजी छत्रियावोरा, श्री जेठमल बोलगोता, श्री मूलचन्द बालगोता, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात आदि के गुरुभक्त उपस्थित थे। सम्पूर्ण चातुर्मास के लाभार्थी श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल परिवार पादरू निवासी परिवार ने पधारे हुए अतिथियों एवं गुरुभक्तों का स्वागत करते हुए लाभार्थी परिवारों का बहुमान किया।

माण्डवपुर तीर्थ की विशेष चित्रमय झलकियाँ

उत्थापन से पूर्व पुण्य-सम्राट की प्रतिमा पर वासक्षेप करते आचार्यदेवेशश्री

योगिराज के समाधि मन्दिर में स्थापित पुण्य-सम्राट की प्रतिमा एवं चित्र

योगिराज, संयमवयः स्थविर गुरुदेव श्री शान्तिविजयजी म. सा. के समाधि मन्दिर में आचार्यश्री की निश्रा में अखण्ड ज्योत स्थापित

मुनिराजश्री आनन्दविजयजी म.सा. श्री भैरूलालजी सेठ जालोर का लोच करते

गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में परिषद् का अधिवेशन सम्पन्न

उदयपुर, (स. सं),

श्री अवन्ति पार्श्वनाथ की पावन नगरी उज्जैन में प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेन-सूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में त्रिस्तुतिक श्रीसंघ उज्जैन के तत्वावधान में चल रहे स्वर्णिम चातुर्मास में धार्मिक कार्यक्रमों तप-जप साधना-आराधना के नित्य नए कीर्तिमान बन रहे है। गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में विक्रमादित्य की नगरी तपमय, जपमय एवं धर्ममय हो गई है। पर्युषण पर्व के पश्चात् दर्शन-वन्दन को नित्य श्रीसंघ एवं गुरुभक्तों का विशाल संख्या में पदार्पण हो रहा है। जयन्तसेन प्रवचन मण्डप में नित्य धर्मप्रेमी जिनवाणी का श्रवण का रसास्वादन कर रहे हैं।

पूज्य गच्छाधिपतिश्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं विराजित श्रमण-श्रमणिवृन्द की पावन निश्रा में प्रतिवर्षानुसार अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार का दो दिवसीय संयुक्त सम्मेलन दिनांक 29-9-2018 से 30-9-2018 को श्री सौधर्मबृहत्तपोगच्छीय त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ एवं अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद् परिवार उज्जैन के तत्वावधान में आयोजित किया गया।

दिनांक 29-9-2018 को प्रातः प्रभात फेरी से प्रारम्भ हुए अधिवेशन में परिषद् साथियों ने सफेद वस्त्र एवं महिलाओं ने चुन्दड़ पहन कर एक जैसी वेशभूषा में प्रभात फेरी में भाग लिया। प्रभात फेरी नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई कार्यक्रम स्थल पहुँची जहाँ ध्वजारोहण कर विधिवत् शुरूआत की गई। परिषद् प्रमुखों द्वारा ध्वजारोहण कर प्रथम सत्र का प्रारम्भ गच्छाधिपतिश्री ने मंगलाचरण कर किया। सामूहिक गुरुवन्दन के पश्चात् स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

प्रथम सत्र में गच्छाधिपतिश्री ने उद्बोधित कहा कि परिषद् वर्तमान में अपने उद्देश्यों को लेकर सम्पूर्ण देश एवं विदेश में उत्कृष्ट कार्यों का सम्पादन कर रही है। व्याख्यान वाचस्पति गुरुदेवश्री यतीन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. द्वारा स्थापित परिषद् को पल्लवित करने का जो अथक परिश्रम पुण्य-सम्राट गुरुदेव ने किया वह कभी भी विस्मृत नहीं किया जा सकता है। आप सभी परिषद् साथियों का परम कर्त्तव्य है कि पुण्य-सम्राट के द्वारा पुष्पित इस बाग की भलीभाँति देखभाल करते हुए धार्मिक, सामाजिक एवं जनकल्याण के उत्कृष्ट से उत्कृष्ट आयोजनों को सम्पादित करते हुए इसके उद्देश्यों की सार्थकता सिद्ध करना है। मुनिराजश्री सिद्धरत्नविजयजी म. सा., मुनिराजश्री विद्वद्रत्नविजयजी म. सा. एवं मुनिराजश्री प्रशमसेनविजयजी म. सा. ने भी सारगर्भित शब्दों में अपना उद्बोधन प्रदान करते हुए दिशानिर्देश प्रदान किया। परिषद् पदाधिकारियों ने उद्बोधित करते हुए परिषद् की नवीन कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

दोपहर 2 बजे द्वितीय सत्र राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में नवयुवक परिषद् व महिला परिषद् परिवार (बहू, बालिका) एवं तरुण परिषद् के सदस्यों की अलग-अलग बैठक के रूप में प्रारम्भ किया। सभी शाखाओं ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत करते हुए शाखाओं की गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की। सायं 5 बजे महिला परिषद् व तरुण परिषद् का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें श्रेष्ठ कार्यों के लिए शाखाओं को पुरस्कृत किया गया।

विशेष रूप से रात्रि 8 बजे सम्मेलन स्थल पर अल्पसंख्यक के अधिकार एवं जैन माईनॉरिटी के बारे में कार्यशाला के माध्यम से ए.आई.जे.एम.एफ. के संयुक्त सचिव श्री सौरभजी मण्डारी, रतलाम व अन्य साथियों ने जानकारियाँ दी कि किस प्रकार अल्पसंख्यक को मिलने वाले लाभ को प्राप्त किया जा सकता है।

द्वितीय दिवस 30 सितम्बर 2018 को प्रातः नवकारसी के पश्चात् 9 बजे प्रथम सत्र गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में प्रारम्भ किया गया जिसमें 'अपनों से अपनी बात' के माध्यम से सभी परिषद् शाखाओं के सुझावों पर विचार विमर्श करते हुए उचित क्रियान्विति करने का निर्णय लिया गया। दोपहर भोजन के पश्चात् यह सत्र पुनः प्रारम्भ हुआ। राजस्थान, गुजरात, दक्षिण भारत, तमिलननाडु, आन्ध्रप्रदेश, कर्नाटक, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश सहित अनेक प्रान्तों के नगरों की परिषद् शाखाओं ने इस अधिवेशन में अपनी उपस्थिति दर्ज करते हुए अपने प्रगति विवरण के साथ ही अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

सायं उत्कृष्ट कार्यों के लिए चयनित शाखाओं को गच्छाधिपतिश्री की निश्रा में राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा पुरस्कार वितरण करते हुए पुरस्कृत किया गया। विशिष्ट अतिथियों एवं श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं का बहुमान किया गया। इस अवसर पर पुस्तक लोकार्पण भी अतिथियों के द्वारा किया गया।

पुण्य-सम्राट गुरुदेव के दिव्याशीर्वाद से सफल परिषद् सम्मेलन का समापन किया गया। राष्ट्रीय परिषद् द्वारा आभार व्यक्त किया गया। गच्छाधिपतिश्री ने सभी को अन्त में मांगलिक सुनाकर दो दिवसीय अधिवेशन का समापन किया।

मासक्षमण की तपस्या सानन्द सम्पन्न

उदयपुर (स. सं.),

पू. पुण्य-सम्राट के पुण्य-प्रभाव से मालवा माटी में तप-जप एवं साधना-आराधना की सुवास सर्वत्र फैल रही है। पुण्य-सम्राट के पट्टधर द्वय गच्छाधिपति श्री नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्य भगवन्त श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती श्रमण-श्रमणिवृन्द अपने चातुर्मासिक स्थानों पर धर्म की गंगा अविरलरूप से बहाते हुए ऐतिहासिक धर्म जागृति का शंखनाद कर रहे है।

मालवा के छोटे से नगर माटपचलाना में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा. एवं साध्वीश्री यशप्रियाश्रीजी म. सा. की पावन प्रेरणा से तपोमय बना हुआ है। साध्वीश्री की प्रेरणा से श्रीमती रंजना श्री महेश सोनी के 36 उपवास की दीर्घ तपस्या का पारणा एवं भव्य शोभायात्रा एवं अनुमोदना महोत्सव का आयोजन दिनांक 22-9-2018 को आयोजित किया गया। प्रातः 7.30 बजे नवकारसी के पश्चात् भव्य वरघोड़ा तपस्वी के निवास स्थान से साध्वीश्री की निश्रा में निकाला गया। जो नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरता हुआ जैन धर्मशाला, माटपचलाना पहुँचा जहाँ तपस्वी को पारणा कराया गया तथा स्वामीवात्सल्य का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में नगर एवं आसपास के क्षेत्र के गुरुभक्त पधारे।

दिनांक 27-9-2018 को साध्वीश्री भाग्यकलाश्रीजी म. सा. आदि ठाणा के साथ चतुर्विध पैदल यात्रा माटपचलाना से धानासुता का आयोजन किया गया। प्रातः 6 बजे पैदल संघ ने जयकारों के साथ यात्रा का प्रारम्भ किया और धानासुता पहुँचा जहाँ श्रीसंघ द्वारा स्नात्रपूजा एवं दादा श्री शान्तिनाथ भगवान की सेवा-पूजा के पश्चात् स्व. सेठश्री सौभाग्यमलजी गिरिया की स्मृति में परिवार द्वारा श्री नवपद पूजन पढ़ाई गई। पूजन के पश्चात् सकल श्रीसंघ का स्वामीवात्सल्य रखा गया। सम्पूर्ण आयोजन के लाभार्थी श्रीमती माँगीबाई स्व. श्री रामलालजी गिरिया परिवार के श्री सुनील, रवि, गौतम गिरिया निवासी माटपचलाना थे।

मैसूर महिला परिषद् द्वारा सेवा कार्य

उदयपुर (स. सं.),

सेवा-समर्पण एवं त्याग को समर्पित अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् शाखा मैसूर द्वारा पर्युषण पर्व पर प्राणीमात्र की सेवा हेतु अनेक कार्य करते हुए परिषद् का नाम गौरवान्वित किया है। सेवा कार्यों की कड़ी में पेरालाईसिस के रोगी को चिकित्सालय के लिए 5100/- रुपये की सहायता प्रदान की तथा महावीर जन्म वांचन के दिन मैसूर पांजरापोल गौशाला में 121000/- रुपये की राशि गायों और कबूतरों के दाना-पानी के लिए प्रदान किए।

दिनांक 22-0-2018 को महिला परिषद् द्वारा मैसूर पांजरापोल में 2100/- रुपयों की राशि प्रदान करते हुए घर-घर से रोटी और गुड़ ले जाकर गायों को खिलाया गया।

इन अवसरों पर दक्षिण प्रान्त की अध्यक्षा-श्रीमती बबीताबेन सालेचा, महामन्त्री-श्रीमती ऊषाबेन वोरा कोषाध्यक्ष-श्रीमती विमलाबेन बाफना और मैसूर परिषद् की अध्यक्षा-श्रीमती कंचनबेन जोटा, सचिव-श्रीमती हेमा श्रीश्रीमाल, कोषाध्यक्ष-श्रीमती नीतूबेन दोशी, सहसचिव-श्रीमती शोभाबेन आदि सदस्याएँ उपस्थित थी। परिषद् द्वारा प्रतिवर्ष ऐसे जीवदया के कार्यक्रम परिषद् स्तर पर होते रहते है। यतीन्द्र वाणी परिवार ऐसे सत्कार्यों की अनुमोदना करता है।

बालकों और जीवदया में सहायता राशि

उदयपुर (स. सं.),

अ. भा. श्री राजेन्द्र जैन महिला परिषद् शाखा बैंगलोर द्वारा दिनांक 22-9-2018 को पाठशाला में बच्चों को ग्यारह हजार की राशि उनके अध्ययन के लिए प्रदान की गई साथ ही जीवदया में ग्यारह हजार की राशि का दान दिया गया। इस अवसर पर परिषद् की सभी महिलाएँ उपस्थित थी।

आचार्यदेवश्री का आशीर्वाद अट्ठाई तप पर श्रीसंघ द्वारा बहुमान

आचार्यदेवेशश्री आशीर्वाद देते

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द की निश्रा में चातुर्मासिक साधना-आराधना जप-तप के साथ विविध धार्मिक कार्यक्रमों सहित गतिमान है। आचार्यदेवश्री की निश्रा में अनेक तपस्वियों ने विविध तपाराधना कर अपने आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। तपस्या की शृंखला में पौथाणा ग्राम की अजैन बालिका केसरकुमारी पिता श्री हंजाराम खवास ने गुरुदेव की प्रेरणाशीर्वाद से अट्ठाई की तपस्या सानन्द की। आचार्यदेवश्री द्वारा प्रदत्त पच्चक्खाण एवं आशीर्वाद के स्वरूप अट्ठाई के निमित्त श्रीसंघ द्वारा बहुमान किया गया। आचार्यदेवश्री ने वासक्षेप करते हुए आत्मीय आशीर्वाद प्रदान करते हुए उज्ज्वल अनागत की मंगलकामना प्रेषित की। श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल, पादरू निवासी ने चातुर्मासोत्सव के सम्पूर्ण लाभार्थी बन तपस्वियों, आराधकों एवं पधारे मेहमानों की आत्मीय सेवा कर विशिष्ट पुण्यार्जन किया है।

पाठशाला के बालक पुरस्कृत

पुरस्कृत करते लाभार्थी परिवार

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्न-सूरीश्वरजी म. सा. के शुभाशीर्वाद से दलौदा में धार्मिक पाठशाला के बच्चे निरन्तर ज्ञान साधना कर रहे हैं। पाठशाला में राई-देवसिय प्रतिक्रमण कण्ठस्थ करने वाले बच्चों को पर्युषण पर्व पर स्व. श्री सागरमलजी अम्बोर की पुण्य-स्मृति में श्री आनन्दीलालजी एवं रीलेषजी अम्बोर की ओर से 500/- रुपये की राशि तथा प्रतिदिन आने वाले बालकों को श्री राजेन्द्रजी नानालालजी सुराणा की ओर से पुरस्कार वितरण किए गए। इस अवसर पर अनेक गणमान्य एवं गुरुभक्त परिवार उपस्थित थे।

चैन्नई में प्रति रविवार युवाक्रान्ति शिविर

उदयपुर (स.सं.)

श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी जैन ट्रस्ट, चैन्नई के तत्वावधान में श्री राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिराजश्री संयमरत्नविजयजी म. सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में दिनांक 23-9-2018 से प्रति रविवार युवाक्रान्ति शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर का समय प्रातः 9 बजे से 11.30 बजे तक रहेगा जिसमें मुनिश्री द्वारा विषयान्तर्गत उद्बोधन प्रदान किया जायेगा।

प्रति रविवार को आयोजित शिविर के अन्तर्गत दिनांक 23-9-2018 को मोटिवेशन मर जाता है, हेबिट जिन्दा रहती है, दिनांक 30-9-2018 को असफल होने पर क्या करें ?, दिनांक 7-10-2018 को आध्यात्मिक आनन्द यात्रा, दिनांक 14-10-2018 को कोई मुझे तोड़ नहीं सकता, मैं हर चीज से लड़ सकता हूँ, दिनांक 21-10-2018 को सपनों के चक्कर में भूल गए, दिनांक 28-10-2018 को दौलत के सिद्धान्त, दिनांक 1-11-2018 से 7-11-2018 तक उत्तराध्ययन सप्ताह (वीर वाणी प्रवाह), दिनांक 11-11-2018 को लाईफ चेर्जिंग एडवाइस-11, दिनांक 18-11-2018 को गुरु को तुम नहीं खोजते हो, गुरु तुम्हें खोजता है। विषयक उद्बोधन मुनिश्री द्वारा प्रदान किया जायेगा। शिविर में भाग लेने हेतु पास वितरण किए जाएँगे। शिविर में समय पर आने वालों के लिए शिविर के पश्चात् अल्पाहार की व्यवस्था रखी गई है।

नोट- लोकप्रिय 'यतीन्द्र वाणी' पाक्षिक के ग्राहकों से निवेदन है कि आपका पता अगर बदल गया है तो अपना नवीन पता प्रधान कार्यालय पर भेजने की कृपा करावें, जिससे आपको अंक प्राप्त हो सके। -सम्पादक

यतीन्द्र वाणी पढ़िये, पढ़ाइये। घर-घर तक इसे पहुँचाइये।

साध्वीश्री की निश्रा में महिदपुर में तप का मेला लगा अलबेला

उदयपुर (स.सं.)

प. पू. गुरुदेव पुण्य-सम्राट श्रीमद्विजय जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधरद्वय गच्छाधिपति श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा. एवं भाण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश श्रीमद्विजय जयरत्न-सूरीश्वरजी म. सा. की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री विद्वद्गुणाश्रीजी म. सा. एवं रश्मिप्रभाश्रीजी म. सा. की निश्रा में चातुर्मासिक प्रवेश के साथ ही साधना-आराधना जप-तप के विविध धार्मिक कार्यक्रम गतिमान हो गये। साध्वीश्रीजी की निश्रा में अनेक तपस्वियों ने विविध तपाराधना कर अपने आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। तपस्या की शृंखला 8, 9, 11, 16, 21, सैकड़ों बेले-तेले आयम्बिल की तपस्या के साथ ही 15 सिद्धितप एवं दो मासक्षमण महामृत्युंजय तप की तपस्या सानन्द सम्पन्न कर महिदपुर के इतिहास में एक नवीन कीर्तिमान स्थापित किया है। नित्य उपवास, आयम्बिल की तपस्या चल रही है।

अनुमोदनार्थ विशाल रथ-यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें हाथी, घोड़े, शहनाई वादक, बैण्ड-बाजों की मधुर स्वलहरियों के साथ एक किलोमीटर लम्बी इस रथयात्रा में नगर के साथ ही दूरसुदूर के करीब 3000 श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित थे। यह गुरुकृपा एवं साध्वीश्री की प्रेरणा का प्रभाव था कि 200 भक्तों की संख्या में निवास करने वाले इस नगर में इतनी विशाल संख्या में तपस्या का होना चातुर्मास की भव्यता को परिलक्षित करता है।

रथयात्रा का मार्ग में स्थान-स्थान पर नगरवासियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया जिसमें पोरवाल, सिक्ख, माहेश्वरी, टेलर, मुस्लिम, राठौड़, पंजाबी आदि समाजों के प्रतिनिधियों ने तपस्वियों का स्वागत करते हुए अनुमोदन किया।

चातुर्मास समिति के श्री सचिन भण्डारी ने दूरभाष पर बताया कि साध्वीजी की निश्रा में गुरु राजेन्द्रसूरिजी के 36 महाभिषेक, शत्रुंजय महातीर्थ की भावयात्रा, पुणिया श्रावक की सामायिक, दीपक एकासन तप, श्री नेमिनाथ प्रभु के जन्मकल्याणक पर 56 दिक्कुमारियों द्वारा भव्य नाटिका एवं स्नात्र महोत्सव, 45 घरों में 100 से अधिक आयम्बिल तप कर तप का शतक आदि आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ सम्पन्न हुए। श्री जैन संघ द्वारा पधारे अतिथियों एवं तपस्वियों का बहुमान किया गया। साध्वीश्री के दर्शन-वन्दन को गुरुभक्तों का आगमन निरन्तर जारी है। सभी ओर इस ऐतिहासिक शोभायात्रा की चर्चा सुनी गई।

यतीन्द्र वाणी में प्रकाशनार्थ सामग्री निम्न नम्बर व ई-मेल पर भिजावें।
कुलदीप 'प्रियदर्शी' 09413763991
e-mail : priyadarshikuldeep@gmail.com

॥ माण्डवपुर तीर्थाधिपति श्री महावीरस्वामिने नमः ॥
॥ विश्वपूज्य प्रातःस्मरणीय प्रभु श्रीमद्विजय राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेनसूरीश्वर गुरुभ्यो नमः ॥
॥ कृपासिन्धु योगिराज श्री शान्तिविजय गुरुभ्यो नमः ॥

अतिप्राचीन श्री भाण्डवपुर महातीर्थ

भाव भरा आमन्त्रण

विश्वपूज्य दादा गुरुदेव श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी म. सा. गुरु मन्दिर तथा
पुण्य-सम्राट श्री जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. समाधि मन्दिर के

शिलान्यास प्रसंगे

शिलान्यास
आश्विन शुक्ला 1,
दि. 11-10-2018 गुरुवार

* आशीर्वाद *
प. पू. गच्छाधिपति
श्रीमद्विजय नित्यसेनसूरीश्वरजी म. सा.

* शुभनिश्रा *
प. पू. पुण्य-सम्राट, राष्ट्रसन्त श्रीमद्विजय
जयन्तसेनसूरीश्वरजी म. सा. के पट्टधर
सूरिमन्त्र आराधक, माण्डवपुर तीर्थोद्धारक आचार्यदेवेश
श्रीमद्विजय जयरत्नसूरीश्वरजी म. सा.
विदुषी साध्वीश्री सूर्यकिरणाश्रीजी म. सा.
आदि श्रमण-श्रमणिवृन्द

आप सभी पधारिये

* नम्र निवेदन *
शिलान्यास की बोली
दि. 10-10-2018 को
सायं 7 बजे भाण्डवपुर तीर्थ
में बोली जायेगी।

चातुर्मास लाभार्थी
श्रीमती अणसीदेवी गोपीलालजी श्रीश्रीमाल
पादरू (राज.)

दूरभाष-
02977-270033
मो. 73400 19703,
9001248063,
94141 44383

* निवेदक-आमन्त्रक *
श्री महावीर जैन श्वेताम्बर पेढ़ी (ट्रस्ट)
श्री वर्धमान-राजेन्द्र जैन भाग्योदय ट्रस्ट (संघ)
मु. पो.- माण्डवपुर तीर्थ, जिला- जालोर (राज.)

योगी-वाणी

नाम और पहचान भले ही छोटी हो, मगर स्वयं की होनी चाहिये।

सभी का सम्मान करना अच्छी बात है, पर आत्मसम्मान के साथ जीना, स्वयं की पहचान है।

-योगिराज गुरु श्री शान्तिविजयजी

आत्मीय निवेदन

समस्त श्रीसंघों के अध्यक्षों, साधु-साध्वी भगवन्तों से निवेदन है कि आप अपने वहाँ होने वाले कार्यक्रमों के समाचार आदि प्रकाशित सामग्री प्रत्येक मास की 10 व 20 तारीख तक 'यतीन्द्र वाणी' में प्रकाशनार्थ भिजावें।

-सम्पादक, यतीन्द्र वाणी,
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार,
साबरमती-गाँधीनगर हाइवे, पो.- मोटेरा-382 424

श्री राजेन्द्र-धनचन्द्र-भूपेन्द्र-यतीन्द्र-विद्याचन्द्र-जयन्तसेन-शान्ति गुरुवरों के विचारों एवं कार्यों को समर्पित
सम्पूर्ण जैन समाज का ज्ञानवर्धक लोकप्रिय हिन्दी पाक्षिक पत्र

यतीन्द्र वाणी
हिन्दी पाक्षिक

सम्पादक
पंकज बी. बालड़

स. सम्पादक
कुलदीप डॉंगी 'प्रियदर्शी'

प्रधान कार्यालय
श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)

सदस्य शुल्क

संरक्षक सं.	11000/- रुपये
सदस्य सं.	7100/- रुपये
आजीवन ग्राहक	1000/- रुपये
एक प्रति	5/- रुपये

विज्ञापन दर

प्रथम पूरे पृष्ठ के -	5100/- रुपये
अन्य पूरे पृष्ठ के -	2100/- रुपये
अन्तिम पूरे पृष्ठ के -	3100/- रुपये
अन्दर के एक चौथाई के -	801/- रुपये

विशेष सूचना- प्रत्येक मास की 10 एवं 20 तारीख तक विज्ञापन एवं समाचार कार्यालय पर भेजना अनिवार्य है।
चैक या ड्राफ्ट 'यतीन्द्र वाणी' के नाम से भेजें।

* लेखक के विचारों से संस्था और सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं। * सम्पादक, यतीन्द्र वाणी

प्रेषक :
यतीन्द्र वाणी (हिन्दी पाक्षिक)
C/o. श्री राजेन्द्र-शान्ति विहार
विसामो बंग्लोज के पास,
विसत-गाँधीनगर हाइवे,
मोटेरा, चान्दखेड़ा, साबरमती,
अहमदाबाद-382 424 (गुजरात)
दूरध्वनि : 079-23296124,
मो. 09426285604
e-mail : yatindravani222@gmail.com
www.shrirajendrashantivihar.com

'Reg. Under Postal Registration No. AHD-C/22/2018-2020 VALID UPTO 31st December-2020 issued by the SSPO's Ahmedabad City Division, permitted to post at Ahmedabad PSO on 1st & 15th every month'
RNI No. GUJ/HIN/1999/321
Licensed to Post Without Prepayment No. PMG/HQ/070/2018-20 valid up to 31/12/2020

श्री.....
.....
.....

स्वत्वाधिकार प्रकाशक, मुद्रक- शान्तिदूत जैनोदय ट्रस्ट, सम्पादक- पंकज बी. बालड़, यतीन्द्र वाणी हिन्दी पाक्षिक, श्री राजेन्द्र शान्ति विहार, पो.- मोटेरा-382 424 से प्रकाशित एवं सनसाईन फोटो प्रिन्ट, एफ-4, तुषार सेन्टर, नवरंगपुरा, अहमदाबाद में मुद्रित